नईदुनिया

अक्सर बच्चों के स्कूल से जुड़े ज्यादातर काम करती हैं मांएं : शोध

वाशिंगटन

बच्चों के स्कूल से जुड़े ज्यादातर काम अक्सर मांएं ही करती हैं। यह खुलासा हुआ है ताजा रिसर्च में। इन कामों में सिर्फ स्कूल के प्रोग्राम में शामिल होना या बच्चे के लिए भोजन पैक करना ही शामिल नहीं है, बल्कि ऐसी कई जिम्मेदारियां होती हैं जो मामूली नजर आती हैं। हालिया रिसर्च से संकेत मिलता है कि ऐसा वास्तव में हो रहा है। अर्थशास्त्रियों और दूसरे सामाजिक वैज्ञानिकों ने लंबे समय से यह माना है कि बच्चों की देखभाल में पिता की तुलना में माताएं अधिक समय बिताती हैं, भले ही दोनों माता-पिता फुलटाइम काम करते हों। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में अधिक से अधिक पुरुषों ने बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू की हैं, फिर भी महिलाएं अपने बच्चों और घर की देखभाल में अधिक समय बिताती हैं। यह अंतर महत्वपूर्ण है क्योंकि बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियों को बांटना केवल माता-पिता के काम के समय को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि कई अन्य पहलुओं पर भी असर डालता है। यह लंबे समय तक तनाव और अधिक थकान का कारण बन सकता है, जिससे दंपति के बीच काम के बंटवारे को लेकर तनाव की भावना भी आ सकती है। यह माता-पिता के काम के घंटों, तरक्की के मौकों और उनकी कमाई पर असर डालकर उनके करियर को भी प्रभावित कर सकता है।

साल 2022 की गर्मियों में हमने अमेरिका के 80 हजार से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को शामिल करते हुए एक स्टडी की। इस प्रयोग में स्कूलों को एक काल्पनिक परिवार से ईमेल भेजा गया, जिसमें माता और पिता दोनों अपने बच्चे का दाखिला कराने में दिलचस्पी दिखा रहे थे।

ईमेल में दोनों गार्जियन के नाम और फोन नंबर दिए गए थे और प्रधानाचार्य से अनुरोध किया गया था कि वे दोनों में से किसी एक को फोन करें। रिसर्च के लिए प्रयोग में शामिल लोगों के अनुसार, ईमेल में नाम और भाषा को अलग-अलग तरीके से बदलकर यह पता लगाने की कोशिश की गई कि क्या गार्जियन का जेंडर इस बात को प्रभावित करता है कि स्कूल किसे वापस फोन करता है।

और नतीजा भी ऐसा ही कुछ मिला। जब दोनों में से कोई भी अभिभावक दूसरे की तुलना में अधिक उपलब्ध नहीं दिख रहा था, तब माताओं को ही पिता की तुलना में पहला फोन मिलने की संभावना लगभग डेढ़ गुना अधिक थी। जिन प्रधानाचार्यों ने अभिभावकों में से किसी एक को वापस फोन किया, उनमें से लगभग 60 प्रतिशत ने पहले मां से और 40 प्रतिशत ने पिता से संपर्क किया। इस दौरान यह भी देखा गया कि जब ईमेल में साफ तौर पर बताया गया कि पिता बात करने के लिए अधिक उपलब्ध हैं, तो प्रधानाचार्यों की तरफ से उन्हें काल करने की संभावना काफी बढ़ गई।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ सैन्य अभ्यास घटाने का क्यों दे दिया आदेश

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों

में कटौती करने का निर्देश दिया है। ट्रंप ने इसके पीछे ईरान को परमाणु हथियारों से मुक्त करने की अमेरिकी कोशिशों में दक्षिण कोरिया के सहयोग से इनकार और उत्तर कोरिया को इन अभ्यासों से मिलने वाले कथित दुश्मनी भरे संकेतको वजह बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति से ईरान को परमाणु-मुक्त करने के अमेरिकी प्रयासों में शामिल होने को कहा था, लेकिन दक्षिण कोरिया ने इससे इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह शुरू होने वाले सैन्य अभ्यास महंगे होने के साथ-साथ उत्तर कोरिया के लिए अनुचित और उकसावे वाले संकेत भी हैं। ट्रंप ने कहा कि अभ्यास रद्द करने में अब देर हो चुकी है, इसलिए उन्होंने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को संयुक्त सैन्य अभ्यासों में काफी कटौती करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके कार्यकाल में उत्तर कोरिया का व्यवहार अब तक अपेक्षाकृत शांत और सम्मानजनक रहा है। 18 हजार दक्षिण कोरियाई सैनिक होंगे शामिल प्रस्तावित 11 दिवसीय अभ्यास में करीब 18 हजार दक्षिण कोरियाई सैनिकों के शामिल होने की योजना है। इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया से संभावित खतरों से निपटने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। अभ्यास में लाइव-फायर ड्रिल, सटीक लक्ष्यीकरण, सैन्य युद्धाभ्यास, जलमार्ग पार करने और पहले से तैनात सैन्य उपकरणों के इस्तेमाल जैसी गतिविधियां शामिल हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने शुक्रवार को इन अभ्यासों की निंदा करते हुए इन्हें आक्रामक युद्ध की तैयारी बताया था। उन्होंने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी।ये सैन्य अभ्यास ऐसे समय में हो रहे हैं, जब उत्तर कोरिया ने हाल में बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण फिर शुरू किया है।

एआई से तैयार लेख को गुणवत्ता के मामले में मिली बेहतर रेटिंग मिली

वाशिंगटन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार लेख को गुणवत्ता के मामले में इंसानों द्वारा लिखी गई सामग्री से बेहतर रेटिंग मिली है। पाठकों ने एआई द्वारा जनरेट किए गए लेखों को अधिक स्पष्ट, निष्पक्ष और पढ़ने में आसान बताया है, जो यह दर्शाता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लेखन के क्षेत्र में भी तेजी से अपनी जगह बना रही है और मानवीय क्षमताओं को चुनौती दे रही है। यह शोध एआई की बढ़ती शक्ति और उसके संभावित प्रभावों पर गहन विचार करने को मजबूर करता है। इस अध्ययन में 1682 वयस्क लोगों को शामिल किया गया, जिन्हें छह छोटी कहानियाँ पढ़ने के लिए दी गईं। इनमें से तीन कहानियाँ किसी इंसान ने लिखी थीं और बाकी तीन को चैटजीपीटी ने लिखा था। तीनों एआई कापी का विषय मानव रचित कहानियों के समान ही था, ताकि तुलना उचित हो सके। अध्ययन के अनुसार, प्रतिभागियों को यह नहीं बताया गया था कि कौन-सा लेख किसने लिखा है, जिससे उनका मूल्यांकन पूरी तरह निष्पक्ष रह सके। जब सभी कहानियों का मूल्यांकन किया गया, तो इसमें एआई की तरफ से तैयार सामग्री को भाषा की स्पष्टता, संरचना और निष्पक्षता जैसे पैमानों पर इंसानों की तुलना में अधिक अंक मिले।

दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

मनीला। दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की

गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए बाडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। मेयर ने क्या बताया ओलासो ने DZBB रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली। छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया हाई स्कूल की बिल्डिंग में गोली चलने की आवाज के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह बिल्डिंग एक सुरक्षित कैंपस में है, जो कैथोलिक यूनिवर्सिटी के बड़े कैंपस से अलग है। उस बड़े कैंपस में यूनिवर्सिटी के कालेज और प्रोफेशनल स्कूल हैं, जो जाम्बोआंगा बंदरगाह शहर में स्थित हैं।

रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन असहाय, नहीं बचे अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर

कीव

रूस के साथ छिड़े युद्ध में यूक्रेन असहाय हो गया है। उसके पास रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए अब अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर न के बराबर बचे हैं। वैसे भी यह दुनिया का सबसे ज्यादा मांग वाला हथियार है। अमेरिका में बने पैट्रियट इंटरसेप्टर से दर्जनों देश अपने डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। यह उन कुछ हथियारों में से एक है जो बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिरा सकता हैं। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर को यूक्रेन के एक अज्ञात स्थान पर मक्के के खेत में बेकार पड़ा दिखाया है। बताया गया है कि इसके कैनिस्टर खाली हैं और इसे आखिरी बार 10 हफ्ते पहले चलाया गया था। सीएनएन का कहना है कि वह ऐसा पहला मीडिया आउटलेट है जिसे यूक्रेनी इलाके में पैट्रियट तक पहुंचने की सशर्त इजाजत मिली।

यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली के मुख्य इंजीनियर दमित्रो ने कहा कि उन्होंने छह हफ्तों से पैट्रियट लान्चर को चलते हुए नहीं देखा है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि सर्दियों में रूस के साथ युद्ध में टिके रहने के लिए उन्हें अमेरिका के स्टाक का 5 प्रतिशत चाहिए। अभी उनके पास मात्र 1 प्रतिशत है। दमित्रो ने कहा, यह सच में दिल तोड़ने वाला नजारा है जब आपके पास उपकरण तो हों लेकिन आप किसी मिसाइल को रोक न पाएं। बैलिस्टिक मिसाइलें आपके सिर के ऊपर से गुजर रही हों और आप उनके खिलाफ कुछ न कर पाएं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दिसंबर 2025 से बनी हुई है।

पैट्रियट इंटरसेप्टर की आपूर्ति में वैश्विक संकट इसलिए पैदा हुआ क्योंकि मार्च और अप्रैल में खाड़ी देशों में इनका अधिक इस्तेमाल किया गया। फारेन पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, ईरान के साथ युद्ध के शुरुआती चार दिनों में गठबंधन सेनाओं ने हर दिन औसतन 225 इंटरसेप्टर का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि इन्हें बनाने वाली कंपनी लाकहीड मार्टिन ने 2025 में 620 इंटरसेप्टर बनाए, यानी हर दिन 1.7, जिससे इस्तेमाल और प्रोडक्शन के बीच 132 और 1 का अंतर आ गया। जनवरी में, पेंटागन ने लाकहीड मार्टिन के साथ सात साल का समझौता किया ताकि 2030 तक हर साल 2,000 इंटरसेप्टर बनाए जा सकें, तब तक यूक्रेन में युद्ध को आठ साल हो चुके होंगे।

यह साफ नहीं है कि अमेरिका ने यूक्रेन को कितने इंटरसेप्टर देने का वादा किया है, या अमेरिका के पास कितना स्टाक है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने रेथियान और लाकहीड मार्टिन को यूक्रेन में किसी भी इंटरसेप्टर बनाने वाले प्लांट का मालिकाना हक और कंट्रोल देने का प्रस्ताव दिया था।

उन्होंने अमेरिकी कंपनियों से कहा था, यह आपकी कंपनी होगी। इसमें हमारा दिमाग, हमारे हाथ और हमारे इंजीनियर होंगे। और मैं उनके लिए एक बेहतरीन कंपनी बनाने की पूरी कोशिश करूंगा। हमें इंटरसेप्टर किसी और को बेचने की जरूरत नहीं है। मुझे तो इनकी अपने देश के लिए जरूरत है।

जून में अंकारा में हुए नाटो समिट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को इंटरसेप्टर बनाने के लिए लाइसेंस देने का प्रस्ताव दिया था। रेथियान और लाकहीड मार्टिन की टीमें जेलेंस्की से मिलने कीव गईं, लेकिन कुछ ही समय बाद ट्रंप ने इस बात पर शक जाहिर किया कि लाइसेंसिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी या नहीं। जेलेंस्की ने कहा, मैं इसे पाना चाहता हूं। मुझे लगता है कि उनकी बात का मतलब है अमेरिका के राष्ट्रपति की बात। और मुझे उम्मीद है कि मुझे यह मिल जाएगा। जेलेंस्की के जवाब में, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि पैट्रियट इंटरसेप्टर के प्रोडक्शन को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है और न ही कोई गारंटी दी गई है।

बांग्लादेश पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा का पेपर लीक प्रकरण, जवाबदेह अधिकारी सलाखों के पीछे

ढाका

बांग्लादेश पब्लिक सर्विस कमीशन (बीपीएससी) की परीक्षा के पेपर लीक के पुराने प्रकरण में जवाबदेह अधिकारी को सलाखों के पीछे भेज दिया गया। बीपीएससी के प्रोग्रामर कौशिक देबनाथ को ढाका की एक अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, कौशिक ने ढाका मेट्रोपालिटन सेशंस जज मो. शाहजहां कबीर के सामने आत्मसमर्पण करते हुए जमानत की मांग की। वकील एडवोकेट मो. शरीफुल इस्लाम ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर एफआईआर और चार्जशीट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे और मनगढ़ंत हैं। अदालत ने दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका खारिज कर दी और कौशिक को जेल भेजने का आदेश दिया।

कौशिक ने 7 जुलाई को उच्च न्यायालय से छह सप्ताह की जमानत ली थी और उन्हें ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने सरेंडर किया सीआईडी सब इंस्पेक्टर निप्पान चंद्र चंदा ने 8 जुलाई, 2024 को पलटन माडल पुलिस स्टेशन में बांग्लादेश पब्लिक सर्विस कमीशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था। इस मामले में 31 लोगों के नाम शामिल थे और 50-60 अज्ञात लोगों पर आरोप लगाए गए थे।

जांच के बाद सीआईडी के अतिरिक्त अधीक्षक सुमन कुमार साहा ने 18 मई को 55 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। इसमें कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक करने वाले सिंडिकेट के सरगना आबेद अली का नाम भी शामिल था।

चार्जशीट के अनुसार, सिंडिकेट ने परीक्षा से पहले चुने हुए उम्मीदवारों को परीक्षा के प्रश्न और उत्तर उपलब्ध कराए। आरोप है कि सिंडिकेट ने उम्मीदवारों से पहले ही बड़ी रकम वसूली । जांच में पाया गया कि यह नेटवर्क कई जिलों में काम करता था।

जाम्बिया के राष्ट्रपति हाकाइंडे हिचिलेमा दूसरे कार्यकाल के लिए निर्वाचित

लुसाका (जाम्बिया)। देश के राष्ट्रपति हाकाइंडे हिचिलेमा को दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुन लिया गया है। जाम्बिया के चुनाव आयोग ने यह घोषणा की। आयोग ने कहा कि उन्होंने 51 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल किए। तुर्किये के अखबार येनी शफाक और सरकारी न्यूज चैनल टीआरटी वर्ल्ड ने चुनाव आयोग के हवाले से प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, 64 वर्षईय हिचिलेमा ने 2,965,326 मत हासिल किए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी विपक्षी नेता और नेशनल रेस्टोरेशन पार्टी फार यूनिटी एंड प्रोग्रेस के ब्रायन मुंडुबिले को 1,856,217 मत प्राप्त हुए। चुनाव आयोग की आयोग की अध्यक्ष म्वांगाला जालौमिस ने कहा, इसलिए, मैं 18 अगस्त, 2026 को हाकाइंडे हिचिलेमा को जाम्बिया गणराज्य का निर्वाचित राष्ट्रपति घोषित करती हूं। हिचिलेमा ने इस घोषणा के बाद कहा कि वह देश के लोगों के भरोसे से अभिभूत हैं। हिचिलेमा ने फेसबुक पोस्ट में कहा, धन्यवाद, जाम्बिया। आपने हमारे देश के सर्वोच्च पद को संभालने और एक बार फिर आपके सेवक के रूप में काम करने के लिए जो भरोसा हम पर जताया है, उससे हम सचमुच अभिभूत हैं। इस चुनाव पर सारी दुनिया की नजरें लगी हुई थीं। पिछले शुक्रवार को वोटों की गिनती रोक दी गई थी और कुछ घंटों बाद कड़ी सुरक्षा के बीच इसे फिर से शुरू किया गया।

ईरान से समझौते को लेकर खाड़ी देश ट्रंप से खफा, होर्मुज पर अटका रास्ता

वाशिंगटन

ईरान के साथ समझौते की अमेरिकी कोशिशों से उसके कुछ खाड़ी सहयोगी निराश बताए जा रहे हैं। उन्हें आशंका है कि लंबे समय से जारी बातचीत के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच अब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो सका है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने खाड़ी देशों के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से नाराज होने की खबरों को खारिज किया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ट्रंप के खाड़ी देशों के नेताओं से अच्छे संबंध हैं और युद्ध शुरू होने के बाद से लगातार संपर्क बना हुआ है।

ट्रंप ने फिलहाल ईरान पर नए हमले की तैयारी से इनकार किया है। उनका कहना है कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत कर रहा है और उसके आर्थिक हालात पर नजर रख रहा है। इससे पहले उन्होंने संभावित सैन्य कार्रवाई भी रोक दी थी और कहा था कि जल्द समझौता होने पर हमले की जरूरत नहीं पड़ेगी। खाड़ी देशों का ईरान को लेकर रुख अलग-अलग है।

संयुक्त अरब अमीरात ईरान पर सैन्य दबाव बढ़ाने के पक्ष में है और मानता है कि इससे ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड पीछे हट सकता है। वहीं सऊदी अरब बातचीत और तनाव कम करने का समर्थन करता है। उसने होर्मुज को सैन्य ताकत से खोलने की योजना का विरोध किया था। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से सैन्य कार्रवाई से बचने की अपील भी की थी।

कतर अमेरिका, ईरान और ओमान के बीच बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। कतर के अधिकारियों ने ट्रंप को बताया था कि ईरान ने होर्मुज को लेकर एक प्रस्ताव स्वीकार किया है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट सबसे अहम मुद्दों में से एक बना हुआ है। ट्रंप चाहते हैं कि इसे तुरंत और पूरी तरह खोला जाए। दूसरी ओर ईरान की मांग है कि अमेरिका पहले अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाए और क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिकों को पीछे करे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के मुताबिक, ईरान और ओमान के बीच होर्मुज को लेकर अलग बातचीत चल रही है, जिसमें जहाजों के सुरक्षित आवागमन जैसे तकनीकी मुद्दों पर चर्चा हो रही है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिका और इजराइल पर खाड़ी देशों को ईरान के खिलाफ करने की कोशिश का आरोप लगाया है।

उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंध मजबूत करने पर जोर दिया और कहा कि ईरान की आंतरिक परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है।

चीन में मानवों का काम फटाफट कर रहे हैं रोबोट कर्मचारी

बीजिंग

दुनिया में चीन रोबोट्स टेक्नालाजी में काफी आगे निकल चुका है। चीन में कूड़ा उठाने से लेकर मच्छर भगाने तक रोबोट्स कर्मचारी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, पार्कों की चौकीदारी भी रोबोट कर्मचारी कर रहे हैं। यह चीन की बढ़ती प्रौद्योगिकी क्षमता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो मानव श्रम को मशीनी बुद्धिमत्ता से प्रतिस्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीजिंग के मशहूर समर पैलेस में तैनात सफाई रोबोट सिर्फ 30 सेकंड में अपना काम शुरू कर देते हैं। पार्क कर्मचारी मोबाइल ऐप का उपयोग करके इन्हें सफाई का क्षेत्र और मोड चुनकर देते हैं, जिसके बाद रोबोट अपने आप पूरे इलाके की सफाई करने लगते हैं। इन रोबोट्स में लगे सेंसर आसपास के माहौल को पहचानते हैं, जिससे वे कूड़ा उठाते हैं, किनारों की सफाई करते हैं, और जरूरत पड़ने पर पानी का छिड़काव भी करते हैं।

इनकी इंटेलिजेंस इतनी उन्नत है कि सामने

कोई व्यक्ति या वाहन आने पर ये खुद ही रास्ता बदल लेते हैं, जिससे बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सुचारू रूप से काम होता रहता है। पार्कों में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से लैस गाइड रोबोट भी लगाए गए हैं। ये रोबोट तय रास्तों पर चलते हुए सैलानियों को पार्क की जानकारी देते हैं, उनके सवालों के जवाब देते हैं, और जरूरत पड़ने पर नियमों का पालन करने की भी सलाह देते हैं। इन गाइड रोबोट्स में हाई-टेक कैमरे, रडार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम लगे हैं। यदि कोई व्यक्ति धूम्रपान करता हुआ दिखाई देता है, तो रोबोट तुरंत रिकार्ड की गई आवाज में उसे ऐसा न करने की चेतावनी देते हैं, जिससे पार्क में स्वच्छता और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित होता है। बीजिंग के जीजहुयूआन पार्क में खास तरह के स्मार्ट ब्रीदिंग रोबोट भी लगाए गए हैं। ये रोबोट इंसानों की सांस की तरह कार्बन डाइआक्साइड छोड़ते हैं, जिससे मच्छर इनकी ओर आकर्षित होते हैं और एक जाल में फंस जाते हैं।

पार्क प्रशासन का कहना है कि शाम के समय घास वाले इलाकों में मच्छरों की शिकायतें बढ़ने के बाद यह तकनीक अपनाई गई। इस उपाय से कर्मचारियों का काम भी कम हुआ है और पार्क में आने वाले लोगों, खासकर बच्चों, को ज्यादा सुरक्षित माहौल मिल रहा है। चीन सरकार का कहना है कि यह कदम देश की रोबोट प्लस रणनीति का हिस्सा है। बढ़ती बुजुर्ग आबादी, कर्मचारियों की कमी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में तेजी से हो रही प्रगति को देखते हुए रोबोट का इस्तेमाल लगातार बढ़ाया जा रहा है। चीन में स्वास्थ्य, होटल, सफाई और लाजिस्टिक्स जैसे कई क्षेत्रों में भी रोबोट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। सरकार का मानना है कि आने वाले सालों में एआई आधारित रोबोट सार्वजनिक सेवाओं का एक अहम हिस्सा बन जाएंगे, जो दैनिक जीवन के कई पहलुओं को बदल देंगे और दक्षता में वृद्धि करेंगे।